

२१

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळें.

— हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

४१५ (५५३)

ग्रंथ नाम

त मातिका

विषय

चरित्रे



॥ खेचरीषि सा लो परेश ॥ कृ रंजग
 ॥ मित्र ना गेश ॥ क र राज तु कुंदास
 ॥ प्रा ॥ २१ ॥ उ ध्व व ब मुद्रा निपु ण
 ॥ आ णि कु कुं ट वा मु ण क रि म
 ॥ जी तो प्र वि णा प्रा ॥ २२ ॥ मु कुं रा
 ॥ जा ज य पा ल ॥ श्या सि का पिक
 ॥ की का क ॥ मा मा दे खो नि का
 ॥ ढी पा क प्रा ॥ २३ ॥ चि लु या
 ॥ आ णी श्री या क से ठ ना रो
 ॥ वे ठो दा म से ठ ॥ पि कू ली क
 ॥ ची ये ड ॥ प्रा ॥ २४ ॥ प क्षि
 ॥ पु णा ॥ या प्रा क व
 ॥ लु रा म हो ता रा मे दी व्यु
 ॥ श्या सि मु रि ॥ प्रा ॥ २५ ॥ शं क
 ॥ रा च्यार्थ ह सा क लु ॥ गंध
 ॥ म द न पु ण्य सि लु पा प हर
 ॥ आ न त ग वे लु ॥ प्रा ॥ २६ ॥ उ ब
 ॥ र छे न द मि लु जा ण ॥
 ॥ च म स आ णी क र भा ज न
 ॥ ज न क रा या सा ग ती इ न
 ॥ ग ते हो सं व डे जा आ णी ते
 ॥ वा क ड पे ढा ग डे तो मु द



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ मबोबडा ॥ क सप गडि ॥ ५० ॥
 ॥ क इते हो गडि स्मराव ॥ ३९ ॥
 ॥ पाडे सोमद्वं राजा पंचसे
 ॥ त ॥ यासिकाजा ॥ प्रसन्नजा
 ॥ लापती गजा ॥ ३७ ॥ चा द
 ॥ ली लभ मं ॥ बिले पत्र ते
 ॥ के व ल ॥ प्रसन्नजा लाया
 ॥ स निले ॥ प्रा ॥ ३८ ॥ सुर्य से
 ॥ वा ल से या स ॥ या चा पं
 ॥ निवास ॥ या ची क कि का
 ॥ व शी का सो वानु दा
 ॥ स्मराव ॥ का श व सा
 ॥ श्री राम श ॥ सा सु क्षी नी
 ॥ वा स ॥ कन क प ता जान ल
 ॥ गे या स ॥ तो जय राम स्मराव
 ॥ ४० ॥ पतु को वा चा पाडे शब्
 ॥ जा लि बुड विले का गद या
 ॥ सि विद्ये बचा छं द ॥ बो ध
 ॥ राम स्मराव ॥ ४१ ॥ पुर रवाते
 ॥ प्र सी द्य या सी स्वर्गी जा ल
 ॥ बो ध ॥ अ ष्टा मु र्वी या
 ॥ सि प्र बो ध ॥ प्रा ॥ ४२ ॥ व जा
 ॥ म लु ते वा सु ज्ञा ॥ न कु ले स





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com